



Toycathon 2021

Ministry of Education's Innovation Cell,

All India Council for Technical Education

New Delhi

Toycathon Press Release

Headline 01: National Institute of Technology Silchar is hosting Toy Hackathon grand finale from 22nd to 24th June 2021, 18 No of teams will participate.

NIT Silchar has been selected by MIC/AICTE for hosting Toycathon 2021 Grand Finale, an event conducted by Govt. of India to promote indigenous toy industry. Around 18 teams from different parts of India have confirmed their participation.

Stressing upon PM Modi's '*Vocal for Local*' in Toy Industry, Ministry of Education mooted the idea of multi-track nation-wide inter-ministerial Toycathon.

The Toycathon 2021 is being organised jointly by Ministry of Education in coordination with five other Ministries viz: Ministry of Women and Child Development (MWCD), Ministry of Information and Broadcasting, Ministry of Commerce & Industry, Ministry of Small and Medium Enterprises, and Ministry of Textiles. Ministry of Education's Innovation Cell at All India Council for Technical Education is acting as nodal agency for organizing Toycathon 2021.

Shri Amit Khare, Secretary, Ministry of Education said that "India needs to emerge as the global Toy manufacturing hub in the future. We need to stress upon creating an ecosystem for the domestic Toy industry and the local manufacturers, tapping the untapped resources and utilizing the potential. Working on the vision of Hon'ble Prime Minister and considering the huge potential of our toy market, we can easily become "Atmanirbhar" in toy industry"

Prof. Anil D. Sahasrabudhe, Chairman, AICTE said that, "The National Education Policy (NEP)-2020 has placed huge emphasis on innovation and experiential learning. Drawing inspiration from NEP, AICTE has been working closely with Innovation Cell of Ministry of Education to conduct various hackathons to provide platforms for the young minds of the country to innovate, experience and materialise their ideas. On the same line we are conducting this Toycathon to provide a national level platform for our Innovators to boost Innovation in domestic toy market. I am happy to share that we have received huge participation in Toycathon 2021 from our engineering Institutions".

The proposed Toy Hackathon have 3 tracks:

Track 1 for Junior Level Participants i.e., primarily SCHOOL STUDENTS. They mainly focused on designing toys for kids of age group 0-3 years and 4-10 years.

Track 2 for Senior Level Participants i.e., students and faculty from Higher education institutions. This group focused on developing concepts for 0-3 years, 4-10 and 11 years and above. This segment primarily focused on Electronics, Sensors, Mechatronics, and toys based on AI and ML approaches, AR-VR-XR and Robotics.

Track 3 for Startup-Professional Level that includes overall innovation and development of prototypes. These prototypes are expected to enable toy industry in boosting up the production along with improving the quality of toys in Indian market.

The inter-ministerial Toycathon focuses on conceptualizing new and innovative toys using local materials which are economical, affordable, safe, environment friendly, with exceptional high quality for both Indian and global markets.

The Toycathon 2021 began with inviting problem statements and finalising top problem statements, identifying Nodal Centres, identifying evaluators, experts and dignitaries, months before the grand finale. Then the participation was invited from students and professionals. Around **14130 teams have submitted 17770** different ideas on innovative toys based on themes like Education, Indian History, Culture and Moral values, Social and Human values, Psychological Development, Agricultural Implements and Tools, and Knowledge about India.

The hackathon was initially conceptualised in two formats i.e., Physical Toycathon for Physical Toys and Digital Toycathon for Digital Toys. Owing to the safety of students and participants the Physical Toycathon has been postponed and now only Digital Hackathon is being conducted from 22nd June 2021 to 24th June 2021 due to prevailing Covid 19 pandemic.

The digital Toycathon has received a phenomenal response from enthusiastic innovators and now 1567 selected teams will be participating virtually through 85 Nodal Centres.

During the grand finale the selected teams will virtually present their toys in front of Jury panel comprises of Experts from premier institutes. The teams will receive mentoring from experts during the hackathon and teams will have to improve their toys/games as per expert suggestions.

Dr. Abhay Jere, Chief Innovation Officer, Ministry of Education Innovation Cell outlined the importance of Toycathon in pedagogy he said that “Toy based pedagogy is one of the most effective ways of teaching & learning. For Toycathon 2021 we have received large number of entries which are focusing on the toys to teach very difficult science and maths concepts to school students in a fun and easy way.

Dr. Mohit Gambhir, Innovation Director, Ministry of Education Innovation Cell critically analysed the importance of such hackathons in boosting the innovation for Indian MSME toy Industry. He said that “This Toycathon has the potential to revolutionize the MSME sector related to the toy Industry. This Toycathon will inculcate the culture of competition and Innovation among our Innovative youth and that will in turn boost the local manufacturing of toys for modern age inspired from the tradition of our motherland”.

Toycathon will not only connect young minds to national institutions, this premier Hackathon for innovation in toy industry will also instil the spirit of inquiry, critical thinking, and life skill learning.



टॉयकैथॉन-2021
शिक्षा मंत्रालय इनोवेशन सेल
अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद
नई दिल्ली
टॉयकैथॉन 2021 प्रेस विज्ञप्ति

शीर्षक 01: राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिलचर 22 से 24 जून 2021 के बीच टॉय हैकाथॉन के भव्य समापन की मेजबानी करेगा जहाँ 18 टीमों में भाग लेंगी।

टॉयकैथॉन 2021 ग्रैंड फिनाले की मेजबानी के लिए एमआईसी / एआईसीटीई द्वारा एनआईटी सिलचर का चयन किया गया है, जो सरकार द्वारा आयोजित भारत के स्वदेशी खिलौना उद्योग को बढ़ावा देने के लिए एक कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम में भारत के विभिन्न हिस्सों से लगभग 18 टीमों ने अपनी भागीदारी की पुष्टि की है।

खिलौना उद्योग में पीएम मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' पर जोर देते हुए, शिक्षा मंत्रालय ने मल्टी-ट्रैक राष्ट्रव्यापी अंतर-मंत्रालयी टॉयकैथॉन के विचार को व्यावहारिक रूप दिया है

शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल ने अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, कपड़ा मंत्रालय और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सहयोग से टॉयकैथॉन 2021 का आयोजन किया है। इस कार्यक्रम के आयोजन में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद में शिक्षा मंत्रालय का नवाचार प्रकोष्ठ नोडल एजेंसी के रूप में कार्य कर रहा है।

शिक्षा मंत्रालय के सचिव श्री अमित खरे ने कहा कि भारत को भविष्य में वैश्विक खिलौना निर्माण केंद्र के रूप में उभरने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हमें घरेलू खिलौना उद्योग और स्थानीय निर्माताओं के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने, अप्रयुक्त संसाधनों का दोहन करने और क्षमता का उपयोग करने पर जोर देने की आवश्यकता है। श्री अमित खरे ने कहा कि माननीय प्रधान मंत्री जी की दूरगामी सोच एवं हमारे खिलौना बाजार की अपार संभावनाएं, भारत को खिलौना उद्योग में आसानी से आत्मनिर्भर बना सकती हैं

एआईसीटीई के अध्यक्ष प्रो. अनिल डी. सहस्रबुद्धे ने कहा कि, "राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 ने नवाचार और अनुभवात्मक शिक्षा पर बहुत जोर दिया है। एनईपी से प्रेरणा लेते हुए, एआईसीटीई शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल के साथ मिलकर देश के युवाओं को उनके नवप्रवर्तन, अनुभव और उनके विचारों को मूर्त रूप देने के लिए विभिन्न हैकाथॉन का आयोजन

कर रहा है । इसी तरह हम घरेलू खिलौना बाजार में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए हमारे नवप्रवर्तकों के लिए एक राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम टॉयकैथॉन का आयोजन कर रहे हैं। प्रो. सहस्रबुद्धे ने कहा की उन्हें यह बताते हुए अत्यंत खुशी हो रही है कि इस कार्यक्रम टॉयकैथॉन 2021 के लिए हमें इंजीनियरिंग संस्थानों से भारी भागीदारी प्राप्त हुई है ।

प्रस्तावित टॉय हैकथॉन में 3 ट्रैक हैं:

ट्रैक 1 जूनियर स्तर के प्रतिभागियों के लिए है जैसे की मुख्य रूप से स्कूल के छात्र । इस ट्रैक में मुख्य रूप से 0-3 वर्ष और 4-10 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए खिलौने डिजाइन करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है ।

ट्रैक 2 वरिष्ठ स्तर के प्रतिभागियों यानी उच्च शिक्षा संस्थानों के छात्रों और शिक्षकों के लिए है जिसमें 0-3 साल, 4-10 और 11 साल और उससे अधिक के अवधारणाओं को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया है । यह खंड मुख्य रूप से एआई और एमएल दृष्टिकोण, एआर-वीआर-एक्सआर और रोबोटिक्स पर आधारित इलेक्ट्रॉनिक्स, सेंसर, मेक्ट्रॉनिक्स और खिलौनों पर केंद्रित है ।

ट्रैक 3 स्टार्टअप-पेशेवर स्तर के लिए है जिसमें समग्र नवाचार और प्रोटोटाइप का विकास शामिल है। इन प्रोटोटाइपों से भारतीय बाजार में खिलौनों की गुणवत्ता में सुधार के साथ-साथ उत्पादन बढ़ाने में सक्षम खिलौना उद्योग की उम्मीद की जाती है।

अंतर-मंत्रालयी टॉयकैथॉन स्थानीय सामग्रियों का उपयोग करके नए और नवीन खिलौनों की अवधारणा पर ध्यान केंद्रित करता है जो भारतीय और वैश्विक दोनों बाजारों के लिए असाधारण उच्च गुणवत्ता के साथ किफायती, सस्ती, सुरक्षित, पर्यावरण के अनुकूल हैं।

टॉयकैथॉन 2021 की शुरुआत ग्रैंड फिनाले से कुछ महीने पहले प्रॉब्लम स्टेटमेंट्स को आमंत्रित करने और टॉप प्रॉब्लम स्टेटमेंट्स को अंतिम रूप देने, नोडल सेंटर्स की पहचान करने, मूल्यांकनकर्ताओं, विशेषज्ञों और गणमान्य व्यक्तियों की पहचान करने के साथ हुई थी। तब छात्रों और पेशेवरों से भागीदारी को आमंत्रित किया गया था। इसमें अभी तक लगभग 14130 टीमों ने शिक्षा, भारतीय इतिहास, संस्कृति और नैतिक मूल्यों, सामाजिक और मानवीय मूल्यों, मनोवैज्ञानिक विकास, कृषि उपकरण और उपकरण, और भारत के बारे में ज्ञान जैसे विषयों पर आधारित नवीन खिलौनों पर 17770 विभिन्न विचार प्रस्तुत किए हैं।

हैकथॉन की शुरुआत दो प्रारूपों में की गई थी, अर्थात भौतिक खिलौनों के लिए भौतिक टॉयकैथॉन और डिजिटल खिलौनों के लिए डिजिटल टॉयकैथॉन। छात्रों और प्रतिभागियों की सुरक्षा के कारण फिजिकल टॉयकैथॉन को स्थगित कर दिया गया है और अब कोविड 19 महामारी के

कारण 22 जून 2021 से 24 जून 2021 तक केवल डिजिटल हैकथॉन का आयोजन किया जा रहा है।

डिजिटल टॉयकैथॉन को उत्साही नवोन्मेषकों से अभूतपूर्व प्रतिक्रिया मिली है और अब 1567 चयनित टीमों में 85 नोडल केंद्रों के माध्यम से वस्तुतः भाग लेंगी। ग्रैंड फिनाले के दौरान चयनित टीमों वस्तुतः अपने खिलौनों को जूरी पैनल के सामने पेश करेंगी जिसमें प्रमुख संस्थानों के विशेषज्ञ शामिल होंगे। हैकथॉन के दौरान टीमों को विशेषज्ञों से सलाह प्राप्त होगी और विशेषज्ञ सुझावों के अनुसार टीमों को अपने खिलौनों/खेल में सुधार करना होगा।

शिक्षा नवाचार प्रकोष्ठ के मुख्य नवाचार अधिकारी डॉ. अभय जेरे ने शिक्षाशास्त्र में टॉयकैथॉन के महत्व को रेखांकित किया | उन्होंने कहा कि "खिलौना आधारित शिक्षाशास्त्र शिक्षण और सीखने के सबसे प्रभावी तरीकों में से एक है। टॉयकैथॉन 2021 के लिए हमें बड़ी संख्या में प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई हैं जो स्कूली छात्रों को मज़ेदार और आसान तरीके से बहुत कठिन विज्ञान और गणित अवधारणाओं को पढ़ाने के लिए खिलौनों पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं।

डॉ. मोहित गंभीर, इनोवेशन डायरेक्टर, मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन इनोवेशन सेल ने भारतीय एमएसएमई खिलौना उद्योग के लिए इनोवेशन को बढ़ावा देने में ऐसे हैकथॉन के महत्व का गंभीर विश्लेषण किया। उन्होंने कहा कि इस टॉयकैथॉन में खिलौना उद्योग से जुड़े एमएसएमई क्षेत्र में क्रांति लाने की क्षमता है। यह टॉयकैथॉन हमारे नवोन्मेषी युवाओं में प्रतिस्पर्धा और नवोन्मेष की संस्कृति को जगाएगा और इससे हमारी मातृभूमि की परंपरा से प्रेरित आधुनिक युग के लिए खिलौनों के स्थानीय निर्माण को बढ़ावा मिलेगा। डॉ. गंभीर ने बताया कि टॉयकैथॉन 2021 न केवल युवा दिमाग को राष्ट्रीय संस्थानों से जोड़ेगा अपितु खिलौना उद्योग में नवाचार अनुसन्धान, महत्वपूर्ण सोच और जीवन कौशल सीखने की भावना भी पैदा करेगा



Ministry of Education's Innovation Cell,
All India Council for Technical Education

Toycathon-2021 প্রেস রিলিজ

শিরোনাম 01: এনআইটি শিলচর Toycathon -2021 গ্র্যান্ড ফাইনালে (Digital Edition) 22 থেকে 24 জুন 2021, নোডাল কেন্দ্র হিসাবে অংশগ্রহণ করছে, ১৮ টি দল ডিজিটালি অংশ নেবে।

শিরোনাম 01: ডিজিটাল Toycathon গ্র্যান্ড ফাইনালটি 22 জুন 2021-এ মাননীয় শিক্ষামন্ত্রী এবং টেক্সটাইল মন্ত্রীর দ্বারা উদ্বোধন করা হবে।

শিরোনাম 02: ভারতীয় খেলনা শিল্পে উদ্ভাবন বাড়ানোর জন্য আন্তঃমন্ত্রণালয় ডিজিটাল Toycathon -2021 গ্র্যান্ড ফিনাল 22-24 জুন 2021 থেকে শুরু হবে।

শিরোনাম 03: মেক ইন ইন্ডিয়া খেলনাগুলি একটি আন্তঃমন্ত্রণালয়ের উদ্যোগে ডিজিটাল টয়কাঠনের সময় খেলনা উদ্ভাবনকারী শিক্ষার্থী এবং পেশাদারদের সাথে অভিনব উত্সাহ পাবে।

ন্যাশনাল ইনস্টিটিউট অফ টেকনোলজি শিলচরকে এমআইসি / এআইসিটিই দ্বারা Toycathon-21 গ্র্যান্ড ফিনালে হোস্টিংয়ের জন্য নির্বাচিত করা হয়েছে. Toycathon-21 ভারত সরকার পরিচালিত ভারতীয় খেলনা শিল্পের প্রচারের জন্য একটি বিশেষ অনুষ্ঠান। ভারতের বিভিন্ন অঞ্চল থেকে প্রায় ১৮ টি দল তাদের অংশগ্রহণের বিষয়টি নিশ্চিত করেছে।

খেলনা শিল্পে প্রধানমন্ত্রীর মস্তিষ্কপ্রসূত স্থানীয় উপাদান থেকে খেলনা তৈরি (Vocal for Local) এর উপর জোর দিয়ে শিক্ষামন্ত্রণালয় দেশব্যাপী আন্তঃমন্ত্রণালয় টয়কাঠনের আয়োজন করে।

শিক্ষা মন্ত্রণালয়ের সচিব শ্রী অমিত খারে বলেন, "ইসরো, ডিআরডিও, ডিএই, আইআইটি, আইআইএসসি, আইআইএসইআর, এনআইটি, আইআইআইটি এবং প্রাচীন ও আধুনিক বিজ্ঞানীদের মতো উচ্চাভিলাষী সংস্থার সাথে তরুণ শিক্ষার্থীদের সংযুক্ত করার উপায় হিসাবে, দেশীয় খেলনাগুলি মূলের মধ্যে স্থাপন করা হবে ভারতের ঐতিহ্য এবং সাংস্কৃতিক প্রেক্ষাপট, যাতে অল্পবয়সি বাচ্চাদের মধ্যে শেখার আগ্রহ তৈরি করার জন্য গর্বের বোধ তৈরি হয়, "।

"জাতীয় শিক্ষানীতি -২০২০ যা প্রাথমিকভাবে শিশুর যত্নের পর্যায়ে এবং ভিত্তিগত বছরগুলি থেকে শেখার আকারে সঠিকভাবে জোর দিয়েছিল, গেমস এবং নাটকের মাধ্যমে শেখার মাধ্যমে, সমন্বিত একান্তিক পদ্ধতিতে দক্ষতা বিকাশ, সমালোচনামূলক চিন্তাভাবনা, মনের উদ্ভাবনী এবং বৈজ্ঞানিক বাঁকানো I আইকিউ, ইকিউ এবং এসকিউ তৈরি করে সঠিক বয়সের জন্য সঠিক খেলনাগুলির নকশা করে এগুলি সহজেই সম্ভব I এই দুর্দান্ত সুযোগটি এই মুহূর্তেদরকার " বলেন অনিল ডি সাহস্রাবুধে, চেয়ারম্যান, এআইসিটিই।

Toycathon 21 টি পাঁচটি মন্ত্রকের সমন্বয়ে শিক্ষামন্ত্রণালয় যৌথভাবে আয়োজন করছে: মহিলা ও শিশু উন্নয়ন মন্ত্রণালয় (এমডাব্লুসিডি), তথ্য ও সম্প্রচার মন্ত্রক, বাণিজ্য ও শিল্প মন্ত্রক, ক্ষুদ্র ও মাঝারি উদ্যোগ মন্ত্রক এবং মন্ত্রক টেক্সটাইল এর। কারিগরি শিক্ষার জন্য অল ইন্ডিয়া কাউন্সিলের শিক্ষা মন্ত্রকের উদ্ভাবনী সেল Toycathon-21 আয়োজনের জন্য নোডাল এজেন্সি হিসাবে কাজ করছে।

প্রস্তাবিত হ্যাকাথনের 3 টি ট্র্যাক রয়েছে:

জুনিয়র স্তরের অংশগ্রহণকারীদের জন্য ট্র্যাক 1 অর্থাৎ প্রাথমিকভাবে বিদ্যালয়ের শিক্ষার্থীরা। তারা মূলত 0-3 বছর এবং 4-10 বছর বয়সের বাচ্চাদের খেলনা ডিজাইনের দিকে মনোনিবেশ করেছিল।

সিনিয়র লেভেল অংশগ্রহণকারীদের জন্য ট্র্যাক 2 যেমন, উচ্চ শিক্ষা প্রতিষ্ঠান থেকে শিক্ষার্থী এবং অনুষদগুলি। এই গোষ্ঠীটি 0-3 বছর, 4-10 এবং 11 বছর বা তার বেশি বয়সীদের ধারণার বিকাশকে কেন্দ্র করে। এই বিভাগটি প্রাথমিকভাবে ইলেক্ট্রনিক্স, সেন্সর, মেকাট্রনিক্স এবং এআই এবং এমএল পদ্ধতির উপর ভিত্তি করে খেলনা, এআর-ভিআর-এক্সআর এবং রোবোটিকের উপর দৃষ্টি নিবদ্ধ করে।

প্রারম্ভিক-পেশাদার স্তরের জন্য ট্র্যাক 3 যা সামগ্রিক উদ্ভাবন এবং প্রোটোটাইপের বিকাশকে আবদ্ধ করে। এই প্রোটোটাইপগুলি ভারতের বাজারে খেলনা মানের উন্নয়নের পাশাপাশি উত্পাদন বাড়িয়ে তুলতে সক্ষম খেলনা শিল্পের প্রত্যাশিত।

আন্তঃমন্ত্রণালয় টয়কাঠন নতুন এবং উদ্ভাবনী খেলনাগুলি স্থানীয় এবং যেগুলি অর্থনৈতিক, সাশ্রয়ী, নিরাপদ, পরিবেশবান্ধব, উভয় ভারতীয় এবং বৈশ্বিক বাজারের জন্য ব্যতিক্রমী উচ্চমানের ব্যবহার করে কল্পনা করার উপর জোর দেয়।

Toycathon 2021 এর সমাপ্তির কয়েক মাস আগে সমস্যার বিবৃতি এবং শীর্ষস্থানীয় সমস্যার বিবৃতি চূড়ান্তকরণ, নোডাল কেন্দ্রগুলি চিহ্নিতকরণ, মূল্যায়নকারী, বিশেষজ্ঞ এবং বিশিষ্টজনদের সনাক্ত করে শুরু হয়েছিল। তারপরে অংশগ্রহণের জন্য শিক্ষার্থী এবং পেশাদাররা আমন্ত্রিত হয়েছিল। প্রায় ১৪১৩০ টি দল শিক্ষা, ভারতীয় ইতিহাস, সংস্কৃতি ও নৈতিক মূল্যবোধ, সামাজিক ও মানবিক মূল্যবোধ, মনস্তাত্ত্বিক বিকাশ, কৃষি উপাদানসমূহ এবং সরঞ্জামাদি এবং ভারত সম্পর্কে জ্ঞান সম্পর্কিত থিমের উপর ভিত্তি করে উদ্ভাবনী খেলনাগুলিতে ১৭৭৭০ টি বিভিন্ন ধারণা জমা দিয়েছে।

হ্যাকাথন প্রথমে দুটি ফর্ম্যাটে, স্পর্শযোগ্য খেলনাগুলির জন্য Physical Toycathon এবং ডিজিটাল খেলনাগুলির জন্য Digital Toycathon এর ধারণা দেওয়া হয়েছিল। শিক্ষার্থী এবং অংশগ্রহণকারীদের সুরক্ষার কারণে Physical Toycathon স্থগিত করা হয়েছে এবং বিরাজমান কোভিড 19 মহামারীর কারণে কেবলমাত্র Digital Toycathon 22 শে জুন থেকে 24 জুন 2021 পর্যন্ত পরিচালিত হচ্ছে।

Digital Toycathon উদ্যোগী উদ্ভাবকদের দ্বারা একটি অভূতপূর্ব প্রতিক্রিয়া পেয়েছে এবং এখন ১৫৬৭ টি নির্বাচিত দল ৮৫ টি নোডাল কেন্দ্রের মাধ্যমে কার্যত অংশ নেবে।

গ্র্যান্ড ফিনালে চলাকালীন নির্বাচিত দলগুলি কার্যত তাদের খেলনাগুলি জুরি প্যানেলের সামনে উপস্থাপন করবে প্রিমিয়ার ইনস্টিটিউটগুলির বিশেষজ্ঞদের সমন্বয়ে। দলগুলি হ্যাকাথনের সময় বিশেষজ্ঞদের কাছ থেকে পরামর্শদাতা গ্রহণ করবে এবং বিশেষজ্ঞদের পরামর্শ অনুসারে দলগুলিকে তাদের খেলনা / গেমগুলি উন্নত করতে হবে।

শিক্ষা মন্ত্রণালয় উদ্ভাবনী কেন্দ্র এর প্রধান উদ্ভাবক কর্মকর্তা ডাঃ অভয় জেরে জানিয়েছেন যে, ভারতের মাননীয় প্রধানমন্ত্রী, শ্রী নরেন্দ্র মোদী Toycathon-2021 এর অংশগ্রহণকারীদের মহা সমাপ্তির সময় ভাষণ দেবেন।

অংশগ্রহণকারীদের মধ্যে প্রতিযোগিতামূলক মানসিকতা তৈরিতে Toycathon সহায়ক হবে এবং স্মার্ট ইন্ডিয়া হ্যাকাথনের মতো সফল হবে বলে জানিয়েছেন ইনোভেশন ডিরেক্টর ড:মোহিত গম্ভীর।

Toycathon কেবল তরুণ প্রতিষ্ঠানের সাথে জাতীয় প্রতিষ্ঠানের সাথে সংযুক্ত হবে না, খেলনা শিল্পে নতুনত্বের জন্য এই প্রিমিয়ার হ্যাকাথন গবেষণা তদন্তের চেতনা, সমালোচনামূলক চিন্তাভাবনা এবং জীবন দক্ষতা শেখার চেতনা কেও উত্সাহিত করবে।
